'समानो मन्त्रः समितिः समानी'

UNIVERSITY OF NORTH BENGAL

B.A. Programme 2nd Semester Examination, 2022

DSC1/2-P2-HINDI

मध्यकालीन हिन्दी कविता

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 60

The figures in the margin indicate full marks.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 3×4 = 12

(क) कबीर का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

(ख) तुलसी रचित 'रामचरितमानस' और 'विनयपत्रिका' की भाषा क्या है ?

(ग) 'अष्टछाप' की स्थापना कब और किसने की ?

(घ) घनानंद किस रीतिकालीन काव्यधारा के कवि हैं ? उनकी दो रचनाओं के नाम लिखिए।

(ङ) शिवराज भूषण को 'भूषण' की उपाधि किसनें प्रदान की थी। इनकी किसी एक कृति का नाम लिखिए।

(च) सूरदास रचित तीन ग्रन्थों के नाम लिखिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार काव्याशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 6×4 = 24

(क) राम-नाम-मनि-दीप धरू, जीह देहरी द्वार।
'तुलसी' भीतर बाहिरौ, जौ चाहसि उजियार।।

(ख) सतगुरू की महिमा अनंत। अनंत किया उपगार
लोचन अनंत उघाड़िया। अनंत दिखावणहार

(ग) जा दिन मन पंछी उड़ि जैहैं
ता दिन तेरे तन तरुवर के,
सबहिं पात झरि जइहें।।

(घ) बतरस लालच लाल की। मुरली धरी लुकाय।
सौंह करै भौंहनु हँसे। दैन कहै नटि जाइ।।

(ङ) पहिले अपनाय सुजान सनेह सों, क्यौ फिरी तेह कै तोरियै जू।
निरधार अधार दै वार-मझार दई गहि बाँह न बोरियै जू।
धनआनंद आपने चातिक कों गुन बाँधि लै मोह न छोरियै जू।
रस प्याय कै ज्याय। बढ़ाय कै आस। बिसास में यौं विस घोरियै जू।।

(च) ब्रह्म के आनन तें निकसे अत्यंत पुनीत तिहूँ पुर मानी,
राम युधिष्ठिर के बरने बलमीकछु व्यास के अंग सोहानी।
भूषण यों कलि के कविराजन राजन के गुन गाय नसानी,
पुन्य चरित्र सिवा सरजे सर न्हाय पवित्र भई पुनि बानी।।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए– $12\times2 = 24$

(क) कबीर की भक्ति का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

(ख) घनानंद की विरह-वेदना स्पष्ट कीजिए।

(ग) भूषण की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(घ) ''सूरदास वात्सल्य रस के सम्राट हैं।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

——×——